

एक नज़र

विकसित भारत पर विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा



नवप्रदेश हरसूद। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला बेड़ियाखाल में ‘विकसित भारत 2047 - मेरे सपनों का भारत’ विषय पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकला, भाषण एवं अन्य विविध प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिताओं के तीसरे दिन आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेतन मिश्रा एवं ग्राम प्रधान श्रीमती पवार के साथ शाला प्रभारी सुनीता राठौर ने उपस्थित होकर प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक और विशेष रूप से युवाओं का संकल्प है। आज के विद्यार्थी ही भविष्य में देश के विकास की दिशा तय करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के विधायक एवं मंत्री डॉ. शाह के नवाचारों की सराहना की और विद्यार्थियों से शिक्षा, अनुशासन, नवाचार और राष्ट्रहित की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कहा कि शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे होते हैं, वे खुद वहीं रहते हैं, लेकिन दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा देते हैं।

आयुर्वेद का सही ज्ञान- देता है बेहतर लाभ इनरव्हील क्लब में बताया डा. अंजली बंसल ने



नवप्रदेश खंडवा. इनरव्हील क्लब खंडवा द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में आयुर्वेद उपचार के सही ज्ञान व महत्वपूर्ण बातों पर आयोजन में शहर की प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक आयुर्वेदचार्य अंजली बंसल ने अपने विचार रखे। क्लब अध्यक्ष सरोज जैन के साथ परि चर्चा में आपने बताया कि आयुर्वेद को संपूर्ण जीवन जीने का विज्ञान कहा जाता है, इसका संबंध तन मन दोनों से है। ऋतुचर्या अर्थात मौसम व स्थिति के अनुसार आहार वह दिनचर्या में बदलाव करना चाहिए। विज्ञापन देखकर मन से दवाई ना लें साथ ही उपचार का संबंध व्यक्तिगत होता है अतः परिवार में एक जैसी बीमारी के लिए दो सदस्य एक जैसी दवाई मन से ना लें। कार्यक्रम में हिन्दी शुद्धि समूह के सदस्य भी उपस्थित थे। सदस्यों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सचिव अंजली जैन ने डॉक्टर अंजली बंसल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। सरोज जैन ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। आयोजन में मंडलाध्यक्ष आरती जैन, वरिष्ठ सदस्य सुषमा पालीवाल ,सीमा शाह, रत्ना राठी, बिंदु मिस्रोदिया, स्वाति ह्रमड़, प्रीत खंडूपुरे, निगार खान एवं हिंदी शुद्धि समूह की प्रतिभा जैन ,सुषमा सेठी, सोहनी सुदीप उपस्थित रहे।

आंगन मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ



नवप्रदेशराई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम राई खुटवाल सेक्टर क्रमांक-1 के आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम दिवस वृक्षारोपण, स्वास्थ्य परीक्षण,

खंडवा में गणेश विसर्जन का भव्य चल समारोह

देर रात तक झाकियों ने मोहो मन



शनि मंदिर की झांकी से शुरू हुआ सिलसिला, सुबह तक चला दौर

झाकियों का सिलसिला रात 10:45 बजे शनि मंदिर चौक की झांकी के बजरंग चौक पहुंचने के साथ शुरू हुआ। इसके बाद शिवाजी चौक, दुबे कॉलोनी पड़ाव, भगत सिंह चौक होते हुए अंतिम झांकी सुबह 4 बजे बजरंग चौक पर पहुंची।

पूरी रात विसर्जन का क्रम जारी रहा। विद्युत सज्जा से सजी झांकियों ने मोहो मन विसर्जन के साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों और शनि मंदिर चौक से निकली विद्युत सज्जा से सुसज्जित मनमोहक झांकियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। धार्मिक कथाओं और सामाजिक संदेशों पर आधारित झांकियों की श्रद्धालुओं ने जमकर सराहना की। समाजसेवी प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मीडिया साथियों ने भी जोखिम उठाकर इस ऐतिहासिक

फोटो-नितीन ड्वार

नवप्रदेश खंडवा. अनंत चतुर्दशी के अवसर पर दादाजी की नगरी खंडवा में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहर के मुख्य बॉम्बे बाजार में गणेश विसर्जन के विशाल चल समारोह के साथ-साथ देर रात तक आकर्षक झांकियों का दौर चलता रहा, जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु

निगम की टीम पूरी रात रही सक्रिय

विशाल आयोजन को देखते हुए सुख्खा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शांति व्यवस्था की कमान जिला कलेक्टर ऋष्व गुप्ता और पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने अपनी पूरी टीम के साथ संभाली। वहीं विसर्जन स्थल पर महापौर अमृता अमर यादव, जल प्रभारी राजेश यादव और आयुक्त प्रियंका राजावत के साथ नगर निगम का पूरा अमला सक्रिय रहा।

आयोजन की पल-पल की कवरेज की। हिंदू संगठन के मोहन काशिव, रामचंद्र मौर्य, गिरीश

बजाज, विधायक प्रतिनिधि मुकेश तनवे, महापौर प्रतिनिधि अमर यादव सहित नाराचण बाहेती, सुनील जैन और बजरंग चौक परिवार के कार्यकर्ता भी पूरी रात व्यवस्था में सहयोग करते रहे। प्रतिवर्षानुसार बजरंग चौक परिवार द्वारा सभी झांकियों, अखाड़ों और अतिथियों का शील्ड देकर सम्मान किया गया।

2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लें : सांसद पाटिल जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

नवप्रदेश खंडवा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे ‘सेवा से संकल्प अभियान’ के अंतर्गत ‘मेरे सपनों का भारत’ थीम पर स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 26 सितंबर को खंडवा स्थित किशोर कुमार सभागृह में किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस दौरान कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, डैगवमाखन के जनपद अध्यक्ष महेंद्र सावनेर, सूरजपाल सिंह सोलंकी, पूर्व विधायक देवेन्द्र वर्मा, सेवादास पटेल, चारुलता यादव, राजेश तिवारी, दिनेश पालीवाल, तपन डोंगरे, सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि ‘हमारा देश

वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित बने, यह हमारा संकल्प है।’ उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जा रहा है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी का सामूहिक योगदान आवश्यक है। शासन का प्रयास है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचे। खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे ने कहा कि देश के युवा आगे बढ़ें और शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्राप्ति हो। महिला सशक्तिकरण के माध्यम से भी देश के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से डिजिटल प्लेटफॉर्म का शिक्षा प्राप्त करने के लिए सकारात्मक उपयोग करने का आह्वान किया। महापौर अमृता अमर यादव ने बेटियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हमें देश के विकास में इस प्रकार योगदान देना चाहिए कि हम केवल नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें।

पर्यूषण पर्व पर जैन समाज में तपस्या का दौर, श्रद्धालुओं ने किए 3 से 10 उपवास

नवप्रदेश खंडवा. जैन धर्म में उपवास का अर्थ केवल भोजन का त्याग नहीं बल्कि अपनी आत्मा के समीप वास करना और इंद्रियों कषायों (क्रोध,मान, माया, लोभ) पर नियंत्रण पाना है, यह कर्मों की निर्जरा और आत्म शुद्धि का मुख्य साधन है। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि जैन धर्म के महान पर्यूषण पर्व के अवसर पर जहां भाव भक्ति की गंगा बही वही कई श्रद्धालुओं ने अपनी क्षमता के अनुसार 3,5, 7 व 10 उपवास की तपस्या की छोटे बच्चों ने भी एक और दो दिन का उपवास खा खा, उल्लेखनीय की जैन धर्म में जो उपवास किए जाते हैं पूरी तरह निर्जला होकर जल, अन्न,फल, फ्रूट सभी का त्याग रहता है, कठिन तपस्या के यह उपवास होते हैं। समाज सचिव सुनील जैन ने बताया कि पर्व के दौरान इस वर्ष ऋषभ कैलाश गंगवाल, रागिनी अनिल जैन सेठी नगर (बीड) द्वारा 10 उपवास की तपस्या की गई।

रिंकू सचिन छाबड़ा, संयम जितेंद्र लुहाड़िया 6 उपवास,कु.दीपिका पहाड़िया स्वर्णकुमार जैन, मनीष पाटनी, श्रीमती शेफाली सोमीक जैन कु. रिद्धि बेनाडा द्वारा चार उपवास की तपस्या की गई। अविनाश जैन (सराफ) दीपक सेठी, सुनील काला, मा. श्रेष्ठ मुकेश कुमार जैन, ज्योति सुशील जैन, सुशील जैन,मनोरमा सेठीस्ति नीरज सेठी,पूजा शिरोरी टेमी, मा.गीतांशु भरत छाबड़ा, कु. गुलिसा भरत छाबड़ा, कु. गंगवाल, रागिनी अनिल जैन सेठी नगर (बीड) द्वारा 10 उपवास की तपस्या की गई।

केबल काटकर चोरी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

नवप्रदेश खंडवा. मोबाइल टावर की केबल काटकर चोरी करने वाले 2 आरोपियों को नर्मदा नगर और पुनासा चौकी पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में संपर्त संबंधी अपराधों पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

यह है मामला दिनांक 24.09.2026 को ग्राम गुजरखेड़ी में एयरटेल मोबाइल टावर के तकनीशियन फरियादी छतर सिंह पिता मेहताब सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने टावर की दो केबलों को काटकर चोरी करने का प्रयास किया है। रिपोर्ट पर थाना नर्मदा नगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले को

गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (देहात) गजेन्द्र सिंह कंवर और एसडीओपी मूंदी मनोहर सिंह गवली के निर्देशन में थाना नर्मदा नगर और चौकी पुनासा की टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में तलाशी के साथ-साथ साइबर सेल की

ने आरोपी दिलीप पिता रामकृष्ण चौधरी उम्र 37 वर्ष एवं यशवंत पिता सुंदरलाल देवड़ा निवासीगण ग्राम डेडावा थाना छिप्तावड़ जिला हरदा, हाल मुकाम गणेश तलाई खंडवा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार जप्त की है। दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय पुनासा में पेश किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी नर्मदा नगर निरीक्षक धीरेश धारीवाल, चौकी प्रभारी पुनासा उनि राजेन्द्र सयदे, प्र.आर. 413 अरविंद बालके, आर. 143 निलेश बामनिया, आर. 710 नन्हीलाल यादव, आर. 543 फजल मंसूरी तथा साइबर सेल से प्र.आर. 480 जितेंद्र

417 गर्भवतियों को स्वास्थ्य संस्थाओं में मिली स्त्री रोग विशेषज्ञों की सेवायें

नवप्रदेश खंडवा. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मातृ मृत्यु दर में कमी लाने व गर्भवति महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रसव पूर्व देखभाल की गुणवत्ता एवं कवरेज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, निदान एवं परामर्श सेवाओं की उपलब्धता की दृष्टि के उद्देश्य से 26 सितंबर शनिवार को जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वास्थ्य शिविर लगाकर स्त्री रोग विशेषज्ञ व चिकित्सकों द्वारा गर्भवति एवं हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच कर उपचार किया गया। जिसमें शासकीय व प्रायवेट चिकित्सकों द्वारा सेवाएं दी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.डी.बाकोरिया ने बताया कि जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में 417 से अधिक हाईरिस्क गर्भवति महिलाओं को चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जाँच व परामर्श दिया गया। जांच के दौरान

जटिलताओं को देखते हुए ऐसी चिकित्सक गर्भवति महिलाओं को निशुल्क सोनोग्राफी के लिए खण्डवा भेजा जा रहा है। हाईरिस्क गर्भवति महिलाओं की पहचान जैसे एनीमिया, उच्च रक्तचाप, शुगर, पूर्व सिजेरियन प्रसव, जुड़वा बच्चे, गर्भ में उल्टा बच्चा, पूर्व में गर्भपात, पूर्व में जन्में शिशु में जन्मजात विकृति, कम वर्ष व 35 वर्ष से अधिक उम्र में गर्भधारण होना, अधिक बच्चे होना तथा टीबी, गुरदे, हृदय रोग, मलेरिया, एचआईवी, हैपेटाइटिस बी जैसे रोगों से ग्रसित गर्भवति महिलाएं

उमंग स्वास्थ्य केंद्र पर आशा सुपरवाइजर और मास्टर ट्रेनर दल ने किया विजिट

ग्राम राई खुटवाल सेक्टर-1 के आंगनवाड़ी केंद्र में 3 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ, पीएम-सीएम के संदेश का वाचन, स्वास्थ्य परीक्षण और बच्चों की गतिविधियां रहीं आकर्षण का केंद्र

नवप्रदेश मूंदी। उमंग स्वास्थ्य केंद्र मूंदी में शुक्रवार 26 सितंबर 2026 को आशा सुपरवाइजर एवं मास्टर ट्रेनर दल ने विजिट किया। दल में आशा सुपरवाइजर गीता पाल एवं सुनीता सोनी, आशा कार्यकर्ता सुनीता प्रजापति तथा मास्टर ट्रेनर रोहित धोंगडिया एवं कृष्णराज सावनेर शामिल रहे। विजिट के दौरान ऋष्व कांडसलर रामकृष्ण मंडाई द्वारा उमंग स्वास्थ्य केंद्र पर किशोर-किशोरियों को उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं एवं

परामर्श सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान आशा सुपरवाइजर द्वारा अपने क्षेत्र के 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियों की सूची प्राप्त की गई। दल को सुझाव दिया गया कि क्षेत्र में यदि किसी किशोर या किशोरी को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक अथवा किशोरावस्था से संबंधित किसी भी समस्या का सामना करना पड़ रहा हो, तो उन्हें आवश्यक परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उमंग

स्वास्थ्य केंद्र पर रेफर किया जाए। साथ ही किशोर-किशोरियों को आवश्यकता पड़ने पर उमंग टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14425 एवं 14416 पर संपर्क करने के लिए जागरूक करने का भी सुझाव दिया गया। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के किशोर-किशोरियों तक किशोर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर बनाना तथा उनकी समस्याओं के समय पर समाधान के लिए रेफरल एवं परामर्श व्यवस्था को मजबूत करना रहा।

ओंकारेश्वर में बड़ा हादसा टला

नवप्रदेश ओंकारेश्वर। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में शुक्रवार शाम एक बुजुर्ग की जान बाल-बाल बच गई। मोनी बाबा आश्रम के पास रफटे से एक बुजुर्ग तेज पानी के बहाव में बह गया और पुल के पिलर के पास जाकर फंस गया। समय रहते पाषंड की नजर पड़ने और प्रशासन की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार वहां से गुजर रहे पाषंड सुनील सोने ने बुजुर्ग को पानी में बहते हुए देख लिया। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना तहसीलदार उदय मंडलौरे को मोबाइल पर दी। सूचना मिलते ही तहसीलदार तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति को देखते हुए एनएचसीडी की पानी का बहाव कम करने के निर्देश दिए। निर्देश के बाद तत्काल चार गेट बंद करवाए गए, जिससे पानी का बहाव कम हो गया। इसी बीच एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने अनाउंसमेंट के माध्यम से पिलर के पास पानी के बीच फंसे बुजुर्ग का हौसला बढ़ाया। लगातार कहा गया कि पानी कम करवाया जा रहा है, आप सुरक्षित

स्थान पर खड़े रहें और घबराएं नहीं। करीब 20 से 25 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रस्क्यू अभियान में एसडीआरएफ के नागेन्द्र शर्मा, नाविक जयराम भांवरीया, उदय सिंह सहित मोंधाता थाने के कुपाराम परिहार और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। बचाव के बाद बुजुर्ग काफी घबराए हुए थे और अपना नाम-पता भी ठीक से नहीं बता पा रहे थे। उन्हें तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। समय पर सूचना और प्रशासन व एसडीआरएफ की सूझबूझ से एक बुजुर्ग की जान बच गई।

▲●▲●▲

▲●▲●▲

▲●▲●▲

पितरों की कृपा का पर्व: 27 सितंबर से पितृपक्ष शुरू, जानें तर्पण का महत्व और श्राद्ध की तिथियां



पितरों के प्रति श्रद्धा तर्पण दान पुन्य का महत्व

सनातन धर्म में पितृपक्ष का विशेष धार्मिक महत्व है यह समय अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और स्मरण व्यक्त करने का पावन पर्व होता है पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान पितरों के निमित्त तर्पण पिंडदान ब्राह्मण भोजन तथा दान पुण्य का विशेष महत्व है श्राद्ध पक्ष के दौरान गौ सेवा अनुदान वस्त्रदान और जरूरतमंद की सहायता से पितरों की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख समृद्धि आती है।

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के दौरान तामसिक भोजन लहसुन प्याज इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए दाढ़ी बाल नहीं बनवाना चाहिए ब्रह्मचर्य ब्रत का पालन करना चाहिए पितृ की प्रिय वस्तु को रोज बनाकर गाय कुत्ता कौवा को खिलाकर प्रसाद ग्रहण करना चाहिए ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए कोई नई वस्तु की खरीदी नहीं करना चाहिए। पवित्र नगरी

प्रमुख तिथियां

- 26 सितंबर - पूर्णिमा श्राद्ध
- 27 सितंबर - प्रतिपदा श्राद्ध
- 28 सितंबर - द्वितीया श्राद्ध
- 29 सितंबर - तृतीया श्राद्ध
- 30 सितंबर - चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्ध
- 1 अक्टूबर - षष्ठी श्राद्ध
- 2 अक्टूबर - सप्तमी श्राद्ध
- 3 अक्टूबर - अष्टमी श्राद्ध
- 4 अक्टूबर - नवमी श्राद्ध
- 5 अक्टूबर - दसवीं श्राद्ध
- 6 अक्टूबर - एकादशी श्राद्ध
- 7 अक्टूबर - द्वादशी श्राद्ध
- 8 अक्टूबर - त्रयोदशी श्राद्ध
- 9 अक्टूबर - चतुर्दशी श्राद्ध
- 10 अक्टूबर - सर्व पितृ अमावस्या

अमरकंटक मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में देश भर से धार्मिक और आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है इसी नर्मदा क्षेत्र में स्थित आरणी संगम नामक स्थल में तर्पण एवं श्राद्ध की दृष्टि से विशेष महत्व बताया गया है पितृपक्ष के दौरान यहां नर्मदा तट पर श्राद्ध तर्पण और पिंडदान के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं और अपने पूर्वजों का पिंडदान

करते हैं।

किस दिन किसका श्राद्ध करें

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि पूर्णिमा प्रतिपदा पहला दिन पूर्णिमा तिथि पर जिनका देहांत हुआ हो उनका श्राद्ध प्रतिपदा तिथि पर नाना नानी या वे पूर्वज जिनका निधन प्रतिपदा को हुआ है

द्वितीय से चतुर्थी तिथि

परिवार के जिन सदस्यों का निधन द्वितीय तृतीय या चतुर्थी को हुआ हो उनके नाम से इन तिथियां पर श्राद्ध होता है

पंचमी तिथि

यह तिथि उन परिवार जनों के लिए खास मानी जाती है जिनकी मृत्यु अविवाहित कुंवारी स्थिति में हुई हो

षष्ठी सप्तमी तिथि

इन तिथियां पर उन पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है जिनका देहांत षष्ठी या सप्तमी को हुआ हो

अष्टमी व नवमी तिथि

नवमी तिथि विवाहित महिलाओं सौभाग्यवती स्त्री जिनकी मृत्यु पति के जीवित रहते हुई हो श्राद्ध के लिए उत्तम मानी गई है इसे

मातृ नवमी भी कहते हैं

दसमी व एकादशी तिथि

इन दिनों में उन पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु दशमी या एकादशी तिथि को हुई हो

द्वादशी तिथि

यह तिथि सन्यासी यति या सन्यास लेने वाले पूर्वजों के लिए श्राद्ध के लिए होती है

त्रयोदशी तिथि

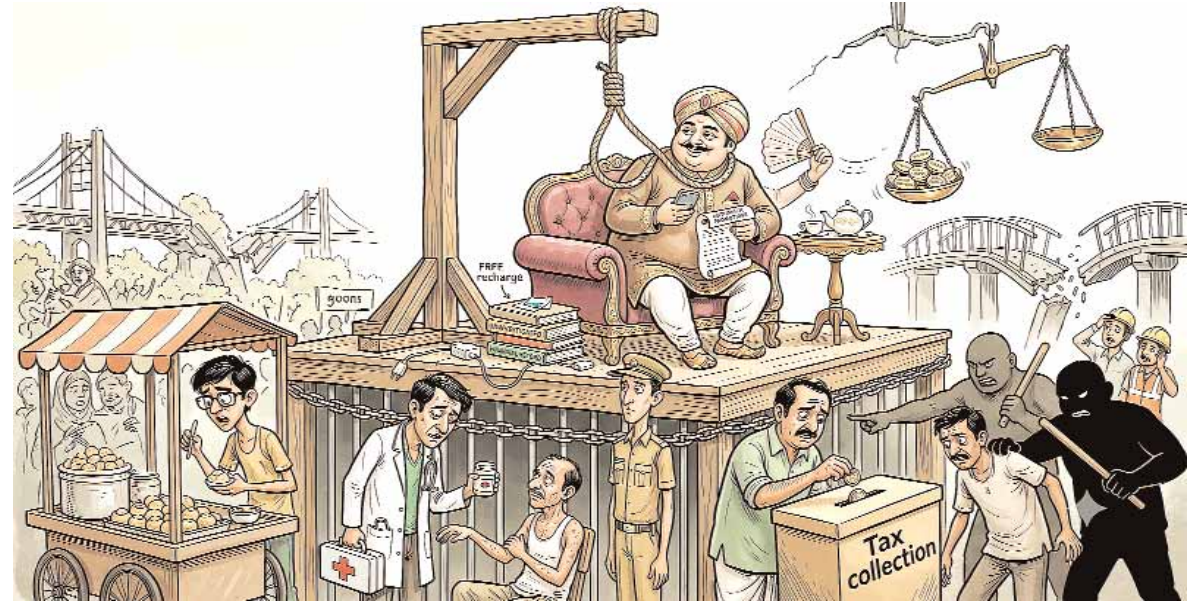
इस दिन उन बच्चों या युवा सदस्यों का श्राद्ध किया जाता है जिनका अल्प आयु कम उम्र में निधन हो गया हो

चतुर्दशी तिथि

इस तिथि पर किसी दुर्घटना शस्त्रघात जहर या किसी भी प्रकार की अकाल मृत्यु का शिकार हुए लोगों का श्राद्ध किया जाता है

सर्व पितृ अमावस्या अंतिम दिन यदि आपको किसी भी पूर्वज की मृत्यु की तिथि याद नहीं है या परिवार के सभी ज्ञात अज्ञात पितरों का एक साथ श्राद्ध करना चाहिए पितृ पक्ष के अंतिम दिन यानी सर्व पितृ अमावस्या पर सब का श्राद्ध और तर्पण किया जा सकता है

त्यंग्य रचना: हल्की फांसी की सजा



संरक्षित होकर सारे अवसर लील गये कुछ लोग। विद्वान बच्चे पानीपूरी बेच रहे हैं। (-) 3 ब वाला चिकित्सा संचालनालय में डायरेक्टर बना बैठा है और टॉपर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में खुजली की मलहम लगा रहा है! सुखा व फैंज में लड़ने की बात आती है तो छह फुटे सीने पर गोली खाने वाले जवानों की तलाश होती है, पर भती में पिचके सीने में छूट पाकर भती हुए लोग चयन समिति में सलाहकार बने बैठे हैं।



डॉ. किशोर अग्रवाल

कभी कभी तो लगता है, मेहनत से काम करने वालों को दुशारू पशुओं सा पाल लिया गया है और उन्हें चारा देने की भी जरूरत नहीं। बुद्धिमान, जुझारू, मेहनती आदमी कमाए, टैक्स दे, बदले में कोई सुविधा नहीं और उनकी कमाई से कुछ लोग बैठे बैठे आनंद लें, जिम्मेदारी कुछ नहीं!

अपने कक्ष में चाय पर बुलाकर केवल सुधार का निवेदन कर सकेगा। अपराधिक मामलों में गहन जांच के बाद यदि अपरिहार्य हुआ तो एफआईआर विशिष्ट आयोग की अनुमति से ली जा सकेगी किन्तु सामान्य व्यक्तियों की तरह कठोर सजा कदापि न दी जा सकेगी। जघन्य अपराधों में भी सजा देने में नरमी बरती जाएगी। सश्रम कठोर कारावास जैसे शब्द न्यायालयीन आदेशों का भाग नहीं होंगे।

नयी व्यवस्था में प्रावधान करने चाहिए कि स्कूल में किताबें, कापियां, ड्रेस ही मुफ्त नहीं बल्कि होमवर्क न करने या गलती करने पर बाजु वाले को थप्पड़ मारना पर्याप्त होगा, विशिष्ट बालक खुद समझ जाएगा कि यह उसके लिये था। मेरिट लिस्ट में उच्चतम अंक पाने वालों से आधे अंक लाकर भी उसी के बराबर वेटेज दिया जा सकता है। कक्षा और अध्यापक खुद चुन सकता है। आर्ट्स का विषय लेकर मन करे तो चिकित्सा व इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर सकता है। विषय के ज्ञान की जगह टुड़ इच्छा ही काफी होगी। उसके सेंटिमेंट्स को बाधित नहीं किया जा सकता।

किसी भी पद पर नियुक्ति होने पर उसी नियुक्ति आदेश में पदोन्नति आदेश साथ-साथ संलग्न रहे। पदोन्नति की तिथि आने पर वह स्वतः पदोन्नत हो जाएगा। विशिष्ट को किसी भी वित्तीय अनुशासनहीनता या जांच के दायरे में नहीं लाया जा सकेगा। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने की इच्छा करने पर उस परीक्षा में सफल मान लिया जावेगा क्योंकि उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन में कम अंक दिये जाने पर शिक्षक को क्यों उलझाना, जब न्यूनतम अंक लाने पर भी नियुक्ति या प्रवेश होना ही है तो अन्य लोगों को बली का बकरा क्यों बनाना!

कार्य निर्वहन में गलती करने पर निलंबन करना, विभागीय जांच करने जैसी कूरतएएँ नहीं की जाएगी। कार्यालय प्रमुख

अपेक्षाकृत आरामदायक बंदी गृहों में रखा जाना चाहिए ताकि उसे जेल का अहसास तो हो पर किसी तरह की शारीरिक यातना न दी जानी चाहिए। फंसी योग्य अपराध हो तो हल्की फंसी दी जावेगी अर्थात फंसी को लम्बे समय की जावे पर तख्ता फंसी का रसीद नहीं खींचा जाना चाहिए। इस तरह जेल गये बंदियों को मुफ्त मोबाइल फोन रिचार्ज सहित, मासिक निवास भ्रमण की भी सुविधा दी जानी चाहिए। बंदी रहने के दौरान उसके परिवार को आर्थिक अनुदान देने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

कोई शोषण न कर सके इसका सरल उपाय है। कुछ विद्यालय, महाविद्यालय चिन्हित कर सारा शैक्षणिक स्टाफवह हो जो शोषण करने वालों में से न हो। इसी तरह ही उच्च शिक्षा संस्थान भी संरक्षित हों। इनसे जो डॉक्टर, इंजीनियर व वैज्ञानिक तैयार हों, वे चिन्हित अस्पतालों में ही इलाज करें। संरक्षित चिन्हित क्षेत्रों के पुल, पुलिया, भवन व सड़कों का निर्माण करें। उनके अपने विकास के लिए आविष्कार करें। चिन्हित सीटों से चुनकर आये जनप्रतिनिधियों का इलाज इन्हीं के कुशल व अशोषित हाथों से हो।

शोषकों द्वारा बनायी गई हर चीज का उन्हें परित्याग कर दुनिया को दिखा देना चाहिए कि वे उन पर अवलंबित नहीं हैं और चिन्हित क्षेत्रों में शत प्रतिशत प्रबंधन पर एकाधिकार कर लिया गया है।

हजारों साल पहले बिना ग्राइंडर के इतना चिकना शिवलिंग कैसे बना

साथियों, सिरपुर की धरती अपने भीतर न जाने कितने रहस्य समेटे हुए है।

पुरातात्विक खुदाई में यहां प्राचीन शहर, बाजार, मंदिर और अनेक ऐसी चीजों के अवशेष मिले हैं, जिन्हें देखकर आज भी आश्चर्य होता है।

लेकिन सिरपुर की मेरी यात्रा के दौरान एक चीज ने मुझे कुछ देर के लिए सचमुच सोचने पर मजबूर कर दिया। यहां हाईस्कूल के सामने पुरातात्विक अवशेषों के बीच भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर मिला है। मंदिर परिसर में एक बड़ा शिवलिंग भी है।

शिवलिंग को देखकर पहली नजर में शायद आपको कुछ असाधारण दिखाई न दे, लेकिन इसकी एक खासियत आपको रुककर सोचने के लिए मजबूर कर देती है। हमारे गाइड ने बताया कि यह शिवलिंग इतना चिकना है कि इस पर पानी की एक बूंद भी आसानी से ठहरती नहीं है।



जब इसके ऊपर पानी डाला जाता है तो पानी इसकी सतह पर रुकने के बजाय फिसल जाता है और इसकी चमकदार सतह पर परछाई तक दिखाई देने लगती है। इसी विशेषता के कारण इसे स्थानीय रूप से "चिकना शिवलिंग" भी कहा जाता है।



गोकुल सोनी

मैं कुछ देर तक उसे देखता रहा। और फिर मन में एक सवाल आया— आज हमारे पास पत्थर को घिसकर चमकाने के लिए आधुनिक मशीनें हैं, ग्राइंडर हैं, पॉलिश करने के अनेक साधन हैं। लेकिन जब ये चीजें थीं ही नहीं, तब हजारों साल पहले किसी कारीगर ने पत्थर को इतना चिकना कैसे कर दिया होगा ?

पिता

पिता घर है, दीवार है, कोना है, पिता मखमली घास का बिछोना है पिता विशाल बरगद की छांव है पिता की गोद में सुख संसार सलौना है।

पिता ज्ञान और प्रेम का भंडार है पिता हमारे जीवन का आधार है पिता से मिलती पहचान हमको पिता ही हमारा पालनहार है।

पिता धूप तो कभी छांव है पिता शहर तो कभी गांव है पिता के बिन अधूरी है दुनिया पिता ही हमारा संसार है।

पिता सुख की मधुर बयार है पिता दुश्मनों पर करता वार है पिता पथदर्शक उजियारा है पिता जीवन नैया का पतवार है।

पिता उम्मीद है पिता आस है पिता परिवार की हिम्मत और विश्वास है पिता बाहर से सख्त और अंदर से नर्म है पिता के दिल में रहता दफ़्न कई मर्म है।

पिता संघर्ष की आंधियों में, हौसलों का दीवार है पिता परेशानियों से लड़ने को दोधारी तलवार है।

पिता बचपन में खुश करने वाला खिलौना है पिता नींद ना आने पर, हमारे लिये बनता बिछोना है। पिता पारिवारिक जिम्मेदारी से लदी गाड़ी का सारथी है पिता हमको बराबर हक दिलाने वाला महारथी है।

पिता हमारा जमीर है, पिता हमारा जागीर है पिता का साथी है जिनके उपर वो शख्स सबसे अमीर है। पिता से हमारी आन बान और शान है पिता ही हमारे लिये भगवान है।।



डॉ. सुनील गुप्ता तनहा (कवर्धा छ.ग.)

त्यंग्य : परिवार का भरोसा, रिश्तेदारी में परोसा



संजय एस तराणकर

राजनीति में भरोसे का नया पारिवारिक अध्याय जो कभी खत्म न होने वाली चीज है। बस शर्त यह है कि परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी बच्चों का जन्म होते रहना चाहिए। यानी परिवार बढ़ेगा और परिवार खिलेगा। राजनीति भी कमाल की चीज है। यहाँ मौसम बदलने में समय लगता है, लेकिन राजनीतिक समीकरण बदलने में कभी-कभी एक बैठक ही काफी होती है। कल तक जो नेता पार्टी के दरवाजे पर दस्तक दे रहा था, आज वही पार्टी की जिम्मेदारी का दरवाजा खोल सकता है। और अगर परिवार साथ हो तो राजनीति की सीढ़ियाँ कुछ और भी आसान दिखाई देने लगती हैं। यानी राजनीति में अगली पीढ़ी की एंट्री का एक और अध्याय शुरू हो गया है। अब राजनीति में परिवार का महत्व समझना हो तो किसी सरकारी दफ्तर की पुरानी फ़हल देख लीजिए। ऊपर से नीचे तक सब कुछ व्यवस्थित दिखाई देता है, बस यह पता नहीं चलता कि अगली फ़हल किसके हाथ में जाएगी। कभी राजनीति में कहा जाता था--कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है।+ अब आधुनिक राजनीति ने इस वाक्य में एक नया पुन्टोट जोड़ दिया है--और परिवार रीढ़ की हड्डी के पास बैठा सलाहकार भी हो सकता है।+ आखिर राजनीति में अपेक्षाकृत नए लोगों को चांस दिया जाता है। वह परिवार के हों तो आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए। आखिर भरोसे की राजनीति भी तो कोई चीज होती है कि नहीं...! जब सलाहकारों की चलती है तो वह यह भी कह सकते हैं कि वह पिछले कुछ समय से सक्रिय थे। इसलिए ही तो पार्टी ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अब सवाल यह नहीं कि राजनीति में अनुभव क्यों होगा? यह अलग बात है कि अनुभव प्राप्त करने का अवसर किसे और कितनी जल्दी मिलता है। परिवारवाद पर राजनीति में बहस कोई नई बात नहीं। लगभग हर पार्टी में कभी न कभी यह सवाल उठता रहा है कि संगठन में रिश्तेदारी और योग्यता का संतुलन कैसे बनाया जाए। समर्थक इसे भरोसे और निरंतरता का नाम देते हैं, आलोचक इसे अवसरों के सीमित दायरे से जोड़ते हैं। जनता दोनों तर्क सुनती है और फिर अपनी समझ से निष्कर्ष निकालती है।मगर भारतीय राजनीति की खूबसूरती देखिए-यहाँ पद का नाम जितना बड़ा होता है, उसके साथ जुड़ी चर्चा उससे भी बड़ी हो जाती है। +राष्ट्रीय संयोजक- यह सुनते ही लगता है कि अब पूरे देश की राजनीति की चाबी उसकी जेब में आ गई होगी। भले ही जिले के 50 कार्यकर्ताओं को वह न जानता हों। इससे तो भाई यही साबित होता है कि पार्टी का परिवार ही सब कुछ है अगर परिवार नहीं है तो पार्टी का भरोसा किस पर होगा? यह अलग बात है की बैठक में असली परीक्षा तो तब होती है जब संगठन की बैठक में दस लोग एक साथ बोलें और सबको शांत करार निर्णय लेना पड़े। सलाहकारों जमात तो यही चाहती है कि वह हमेशा कंट्रोल करते रहे भले उनकी एक दो सलाह को दखिनार क्यों? न कर दिया जाए। वे कहते हैं संगठनात्मक तैयारियाँ चल रही हैं। ऐसे में नई जिम्मेदारी पाने वालों के सामने असली चुनौती यही होगी कि वे कागज पर मिली जिम्मेदारी को जमीन पर संगठन की सक्रियता में कितना बदल पाते हैं। भइये राजनीति में विरासत मिल सकती है, पद मिल सकता है, पहचान मिल सकती है-लेकिन जनता का भरोसा शायद ऐसी चीज है जिसकी कोई पारिवारिक रजिस्ट्री नहीं होती। यह बात जरूर है परिवार का भरोसा, रिश्तेदारी में परोसा।

राशि फल



पं. देवराज शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। आज आप वाणी की मधुरता एवं युक्तियों के बल पर बड़े लोगों से सम्बन्ध बनाएंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा स्वभाव में आलस्य दिन के आरंभ से ही छाया रहेगा फिर भी अतिआवश्यक कार्यों में विलंब नही होने देंगे। सेहत सामान्य रहेगी विपरीत लिंगीय आकर्षण अधिक रहेगा।

मिथुन: आज का दिन आप सुख-शांति से व्यतीत करेंगे वा कार्य के आरम्भ की रूप रेखा बनाएंगे लेकिन आज आलस्य के कारण बीच में ही गूल भी जाएंगे। स्त्री-संतान का सहयोग मिलेगा।

कर्क: आज का दिन आपको प्रतिकूल

परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। प्रात:काल से ही परिजन अथवा किसी अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति की जित परेशानी में डालेगी।

सिंह: आज के दिन का पूर्वाह्न शुभफलादायी रहेगा स्वभाव में मनमानी रहने के कारण परिजनों को परेशानी होगी घरेलू समस्याओं के समाधान करने की जगह टटकाने पर किसी से झगड़ हो सकती है।

कन्या: आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा साथ ही आज खर्च पर नियंत्रण नही रहेगा अधिकांश खर्च आज आवश्यक ही होंगे पर दिखावे के ऊपर ही।

तुला: आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलादायक रहेगा बुद्धि विवेक रहने के बाद भी हर काम में अपनी ही पलाएंगे चाहे फिर आगे उसका नतीजा विपरीत ही वयो ना निकले।

वृश्चिक: आज के दिन चंचलता आपके मन गतिष्ठक पर हावी रहेगी। स्वयं किसी को कुछ

भी बोल देंगे लेकिन किसी अन्य की छोटी सी बात भी सहन नही कर पाएंगे।

धनु: आज का दिन भी आपको शुभ फल देने वाला है। आज आप अपने व्यवहार कुशलता से किसी का भी दिल जीत सकते हैं आज के दिनों से मन में चल रही।

मकर: आज का दिन आप सुख-शांति से व्यतीत करेंगे ना कार्य के आरम्भ की रूप रेखा बनाएंगे लेकिन आज आलस्य के कारण बीच में ही गूल भी जाएंगे।

कुम्भ: आज के दिन आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे लेकिन आपका स्वभाव पल पल में बदलने से सहजजनों को असुविधा होगी। टालने पर भी धार्मिक आयोजनों में भी सक्रियता देने का अवसर मिलेगा।

मीन: आज के दिन आपको प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। आज आपने आनंद एवं सुखों का अभाव रहने से कार्य में मन नही लगेगा।

QUIZ TIME

1) मीराबाई यानु ने एशियाई खेल 2026 में 49 किरा में कौन सा पदक जीता है?

2) सरकारी नीतियों / परियोजनाओं के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली एजेंसी कौन सी है?

3) मैडम भीकाजी कामा ने स्टार्टअप, जर्मनी में भारतीय ध्वज किस वर्ष फहराया था?

4) किस वैज्ञानिक को पोलोनियम तत्व की खोज का श्रेय दिया जाता है?

5) 23 सितंबर 2026 को उत्तरप्रदेश के किन शहरों में भारत टैक्सी सेवा शुरू की गई?

उत्तरमाला-

(1) सिल्वर (2) पीआईबी (3) 22 अगस्त 1907 (4) मैरी क्यूरी (5) लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर और प्रयागराज



बारिश पर भारी पड़ी आस्था, अनंत चतुर्दशी पर नम आंखों और उत्साह के साथ हुआ गणेश विस्मर्जन



मुंगेली/नवप्रदेश। दस दिनों तक गणेशोत्सव के उल्लास औरार्य-अराधना के बाद शनिवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक गणपति बापा को अंतिम विदाई दी गई। ढोल-ताशों का गड़गड़ाहट, गुलाल के बादलों और अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के बीच भक्तों ने नम आँखों से अपने आराध्य को विदा किया। मूसलाधार बारिश और खराब मौसम भी बापा के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को

डिगा नहीं सका, और युवक-युवतियां बरसते पानी में भी झूमते-नाचते विस्मर्जन यात्रा में शामिल हुए। अनंत चतुर्दशी पर गणेश विस्मर्जन का कार्यक्रम हर वर्ष के भाति इस वर्ष भी बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया लगातार 2 दिनों से हो रही बारिश में भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ मंडी परिसर से प्रारंभ होकर झांकियां पडाव के चौक, बालानी चौक पुराना बस स्टैंड दाउपारा होते हुए सूरौघाट पहुंची जहां बापा को अंतिम विदाई दी गई लगभग

15-20 की संख्या में निकले झांकियां को देखने लोगों का हुजूम बरसते पानी में भी नजर आया, घरों में विराजित गणेश का विस्मर्जन पारिवारिक माहौल में सम्मन्न हुआ। एक तरफ जहां भक्तों का उत्साह चरम पर था, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका की लचर व्यवस्थाओं ने इस धार्मिक पर्व के उल्लास पर पानी फेर दिया। शहर के प्रमुख विस्मर्जन घाटों पर बिजली और रोशनी की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं होने के कारण शाम ढलते ही चारों तरफ घना

अंधेरा पसर गया। लगातार हो रही बारिश की वजह से घाटों के आसपास के रास्ते बेहद फिसलन भरे हो चुके थे, जिसके चलते बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी दिक्कों का सामना करना पड़ा। अंधेरे और कीचड़ भरी रास्तों से गुजरकर प्रतिमाओं का विस्मर्जन करने को मजबूर हुए श्रद्धालुओं में प्रशासन के प्रति गहरी आक्रोश देखा गया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सुरक्षा, बैरिकेडिंग, प्रकाश और सफई के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते हैं। अंधेरे में फिसलन भरे

बारिश में बापा को विदाई, अंधेरे-कीचड़ में श्रद्धालु हुए परेशान

दस दिनों तक चले गणेशोत्सव के बाद अनंत चतुर्दशी पर शनिवार को शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक गणपति प्रतिमाओं का विस्मर्जन किया गया। लगातार हो रही बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। मंडी परिसर से निकली करीब 15 से 20 झांकियां पडाव चौक, बालानी चौक, पुराना बस स्टैंड और दाऊपारा होते हुए सूरौघाट पहुंचीं, जहां गणपति बापा को अंतिम विदाई दी गई। ढोल-ताशों और जयकारों के बीच युवक-युवतियां बारिश में भी झूमते नजर आए।

रास्तों पर दुर्घटना की आशंका के बीच श्रद्धालुओं ने खुद ही टॉच और मोबाइल की रोशनी के सहारे किसी तरह विस्मर्जन की रस्म पूरी की।

न्यूज गैलरी

शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय में समूह रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय अंबिकापुर में समूह रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से लोकतंत्र में मतदान के महत्व को प्रदर्शित किया तथा मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा मतदाताओं में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मतदान के महत्व के प्रति जनचेतना का प्रसार करना रहा।

पहाड़पारा को मिली बेहतर सड़क कनेक्टिविटी, विकास की राह आसान

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत दूरस्थ जनजातीय बसाहट पहाड़पारा को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ा गया है। नकना से पहाड़पारा तक 6.30 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 482.57 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इससे करीब 130 की आबादी वाले पहाड़पारा के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित इस सड़क से ग्रामीणों की स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, हाट-बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है। आपात स्थिति में मरीजों की स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने के साथ कृषि और वनोपज के परिवहन में भी सुविधा मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से वित्तपोषित इस कार्य का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच मजबूत करना है। सेवा संकल्प अभियान के तहत यह सड़क दूरस्थ क्षेत्र में विकास और जनसेवा की पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है।

तीन सड़क परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ उपलब्ध कराएगा एसईसीएल

कोरबा/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने कोरबा में तीन सड़क मार्गों के निर्माण एवं चौड़ीकरण के लिए राज्य शासन को जमा आधार पर 50 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर प्रशासनिक सहमति दी है। इन मार्गों में सीतामणी से उरगा होते हुए भारतमाला चौक तक, मेन बैरियर से ट्रायजंक्शन (राजा होटल) तक तथा रेलवे क्रासिंग से गोमाता चौक तक के मार्ग शामिल हैं। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक ने कलेक्टर कोरबा कुणाल दुदावत को भेजे पत्र में बताया है कि प्रस्ताव पर एसईसीएल की कार्यात्मक निदेशक समिति की बैठक में प्रशासनिक सहमति दी गई।

साक्षर कोरबा-समृद्ध कोरबा’ की ओर बढ़े कदम, 27 को उल्लास महापरीक्षा

कोरबा/नवप्रदेश। जिले को पूर्ण साक्षर बनाने और शिक्षा की रोशनी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में कोरबा जिला एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने जा रहा है। उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 27 सितंबर 2026 को जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिले के 383 उल्लास केंद्रों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में 7,817 शिक्षार्थी शामिल होकर अपनी सीखने की उपलब्धियों का मूल्यांकन करेंगे। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी शिक्षकों, सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों से इस साक्षरता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि अपने आसपास एवं क्षेत्र के चिन्ताकित शिक्षार्थियों को 27 सितंबर की परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित करें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में भी सहयोग प्रदान करें, ताकि कोई भी पात्र शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल होने से वंचित न रहे। कलेक्टर दुदावत ने कहा कि साक्षरता का अर्थ केवल अक्षरों को पहचानना अथवा पढ़ना-लिखना सीखना नहीं है। साक्षरता व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा करने के साथ उसे दैनिक जीवन में बेहतर निर्णय लेने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने में सक्षम बनाती है। एक साक्षर व्यक्ति अपने परिवार और समाज को भी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य के साथ उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे नागरिकों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें पूर्व में पढ़ने-लिखने का अवसर नहीं मिल पाया।उल्लास अभियान को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से कोरबा जिला एवं कटघोरा उपजेल में भी महापरीक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। दोनों स्थानों पर 50 से अधिक बंदि परीक्षा में शामिल होकर अपने अर्जित ज्ञान एवं सीखने की उपलब्धियों का मूल्यांकन करेंगे। यह पहल साक्षरता के साथ शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव आने और शुक्रआत का अवसर प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। कलेक्टर श्री दुदावत ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि ‘पूर्ण साक्षर कोरबा का लक्ष्य केवल प्रशासन का अभियान नहीं, बल्कि पूरे जिले का साझा संकल्प है।

पहली बार पांच मैदानों में एक साथ विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता

120 टीमों के बीच फुटबॉल का महासंग्राम जारी, 28 को फाइनल

रामानुजगंज/नवप्रदेश। युवाओं को खेलों से जोड़ने और ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामानुजगंज विधानसभा में विधानसभा स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।



स्वर्गीय सूर्य प्रकाश नेताम स्मृति दिन सेवा समिति के तत्वावधान में हो रही इस प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र की 120 स्थानीय टीमों ने हिस्सा लिया है। कैबिनेट मंत्री एवं रामानुजगंज विधायक रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में पांच स्थानों पर एक साथ लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। आरागाही, गम्हरिया, टीकींडीरी, जबर और गिरवरगंज के खेल मैदानों में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इन मैदानों पर क्रमशः 16, 24, 16, 32 और 32 टीमों ने भाग लिया है। आयोजन समिति के अनुसार

विधानसभा क्षेत्र में पहली बार एक साथ पांच स्थानों पर इतने बड़े स्तर पर फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में बाहरी टीमों को शामिल नहीं किया गया है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। खेल के साथ सामाजिक सरोकार प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। युवाओं को नशे एवं अन्य नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखने के लिए उन्हें खेल गतिविधियों से जोड़ने पर जोर

विजेताओं पर होगी पुरस्कारों की बारिश

विधानसभा स्तरीय फाइनल में प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपए, द्वितीय 31 हजार, तृतीय 15 हजार और चतुर्थ पुरस्कार 11 हजार रुपए रखा गया है। इसके अलावा बेस्ट गैर-प्लेयर को 7 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। विधानसभा खेल प्रभावी अधिनी गुप्ता के अनुसार लीग चरण के सभी मुकाबले 28 सितंबर तक पूरे कर लिए जाएंगे। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल की तैयारियां शुरू होंगी। फाइनल की तिथि और स्थान की घोषणा आयोजन समिति द्वारा की जाएगी।

को योजना है। विजेता को 51 हजार का पुरस्कार प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं।

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का पर्व पितृ-मोक्ष

मुंगेली/नवप्रदेश। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह पक्ष दिवंगत पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर माना जाता है।



इस दौरान लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध कर्म में पिंडदान की परंपरा महत्वपूर्ण मानी जाती है। चावल, जौ अथवा अन्य निर्धारित सामग्री से निर्मित पिंड पितरों को समर्पित किए जाते हैं। यह अनुष्ठान पूर्वजों के प्रति सम्मान और पारिवारिक परंपराओं के निर्वहन का

अनुष्ठानों के माध्यम से पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है। पितृ पक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि पूर्वजों के योगदान को याद करने और नई पीढ़ी को पारिवारिक संस्कारों एवं परंपराओं से जोड़ने का अवसर भी है। बाजार में बढ़ी तिल, जौ, गुड़ और उड़द दाल की मांग-पितृ पक्ष शुरू होते ही बाजार में तिल, जौ, गुड़ और उड़द दाल की मांग बढ़ गई है। श्राद्ध कर्म के दौरान इन सामग्रियों का धार्मिक महत्व माना जाता है। पितृ पक्ष के 15 दिनों में लोग अपने पूर्वजों के निमित्त प्रतिदिन हवन कर तिल, जौ और गुड़ अर्पित करते हैं।

तंबाकू बिक्री पर 10 दुकानों पर लगा जुर्माना

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में तंबाकू उत्पादों के अनियमित विक्रय एवं सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला चिकित्सालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को तंबाकू मुक्त एवं स्वस्थ वातावरण बनाने की दिशा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कोटपा एकट 2003 के प्रावधानों के तहत 10 दुकानों में चालानी कार्रवाई की गई। औषधि निरीक्षक किरण सिंह, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मुंगेली, ओम साहू, साइकोलॉजिस्ट एवं प्रशिक्षित तंबाकू नियंत्रण दल के सहयोग से जिला चिकित्सालय रामगढ़ के परिसर एवं आसपास स्थित दुकानों का निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान 05 दुकानों को चेतावनी देकर छोड़ा गया, जबकि 10 दुकानों पर 650-650 रुपए के मान से कुल 6,500 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। औषधि निरीक्षक ने बताया कि इसी क्रम में लोरमी में 06 चालान, पथरिया में 17 चालान और सरगांव में 10 चालान की कार्रवाई की जा चुकी है।

पेज 1 का शेष...

भारत को एक दिन में कबड्डी... ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। 7वें दिन भारत को अब तक 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज समेत 5 मेडल मिल चुके हैं। शनिवार को स्वर्णोश में पहली बार भारत के दो खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं। 18 साल की अनाहल सिंह विमेश सिंगल्य और अभय सिंह ने मस सिंगल्य के फाइनल में जगह बनाई। भारत ने अब तक 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज सहित 28 मेडल जीत लिए हैं।

छत्तीसगढ़ की बेटी संजु देवी ने...

से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री संजु देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर, प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा

प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों, आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ऑलिंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया उपस्थित थे।

2027 में आखिरी वर्ल्ड...

क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने 2024 में टी-20 इंटरनेशनल और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। विराट कोहली अब तक 4 वनडे वर्ल्ड कप (2011, 2015, 2019 और 2023) खेल चुके हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 54 शतक भी हैं। कोहली का यह पांचवां वनडे वर्ल्ड कप होगा। 2011 में भारतीय टीम ने धोनी की कप्तानी 28 साल बाद खिताब जीता था और कोहली उस टीम का हिस्सा थे। 2023 में भारत फाइनल तक पहुंचा, लेकिन अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार गया। वर्ल्ड कप में कोहली का रिकॉर्ड भी उनके लंबे सफर को दिखाता है। उन्होंने 37 मैचों में 1,795 रन बनाए हैं। औसत 59.83 है। उनके नाम 5 शतक और 12 अर्धशतक हैं।

झीरमकांडः राहुल गांधी से...

यात्रा के चौथे चरण में हुआ था। इसलिए इससे पहले हुए यात्रा के पहले तीन चरणों में किसी सुरक्षा व्यवस्था थी, इसकी भी जानकारी

मांगी गई है। मामले में आगे की कानूनी रणनीति को लेकर कांग्रेस वरिष्ठ वकीलों की मदद लेगी। बताया जा रहा है कि कपिल सिबल, अभिषेक मनु सिंघवी और विवेक तन्हा से सलाह ली जा सकती है। उनकी सलाह के आधार पर मामले में वकील नियुक्त करने की संभावना है। हालांकि, इसको लेकर अभी आधिकारिक तौर पर कोई फैसला नहीं हुआ है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बेज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस त्रिहिवेद समेत पीडित परिवारों के सदस्य शामिल हुए। बैठक करीब 45 मिनट चली।

एसआईआर में जिनका नाम...

वे रैत बसेरों में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों और बेघर नागरिकों के लिए विशेष शिविर और सहायता केंद्र स्थापित करें ताकि अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ा जा सके।

बैठक में यह भी बताया गया कि दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के अनुरोध पर दावे और आपत्तियां दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 कर दी गई है, जबकि इनके निस्तारण की समयसीमा 30 नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई है।

वहीं महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा 12 अक्टूबर और

निस्तारण की समयसीमा 10 नवंबर 2026 तक कर दी गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। जिन लोगों का नाम किसी कारणवश छूट गया है या जो पहली बार मतदाता बनने के पात्र हैं, वे संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास आवेदन देकर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। इसके लिए राज्यों में विशेष नामांकन अभियान भी चलाया जाएगा।

यूनन में शरीफ के फर्जी ...

सूनी, जिन्हें भारत ने बेहद असंगत माना। उन्होंने 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी का भी संदर्भ दिया। गहलोत ने आतंकवादी संगठन अल-कायदा के प्रमुख ओसामा बिन लादेन का जिक्र करते हुए कहा कि वह पाकिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई में मारा गया था और भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद से जुड़े रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। पेटेल गहलोत ने पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था पर भी टिप्पणी की। उन्होंने पाकिस्तान में सत्ता और सेना के संबंधों को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि वहां वास्तविक फैसले लेने वाली शक्ति को लेकर भ्रम नहीं होना चाहिए। भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान की आतंकवाद नीति पर भी हमला बोला। उनके मुताबिक पाकिस्तान की ओर से मंच पर उठे

और सुरक्षा की बातें की जाती हैं, लेकिन भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाता रहा है। भारत ने पहले भी संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। 2025 में भी पेटेल गहलोत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के यूननजीए भाषण के जवाब में आतंकवाद और पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन की मौजूदगी का मुद्दा उठाया था।

सीएम यादव की बड़ी सौगातः

आवासीय उपयोग के साथ दुकान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति होगी। इसका उद्देश्य लोगों के घर और काम की जगह के बीच दूरी कम करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना है। चौड़ी सड़कों पर स्थित जमीनों के लिए एफएआर और भवन की ऊंचाई को लेकर अधिक छूट देने का प्रस्ताव है। विकास के नियमों की भी आसान बनाने की बात कही गई है। भोपाल मास्टर प्लान-2005 में हरित क्षेत्र करीब 16 प्रतिशत था। नए भोपाल विकास योजना-2047 में इसे बढ़ाकर करीब 27 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है।



बर्फ की चादर में लिपटे पहाड़, खिल उठा हिमालय का नजारा



ज्योतिर्मठ (चमोली)/बडकोट (उत्तरकाशी)। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने करवट ली बारिश के बीच पहाड़ों पर हुई बर्फबारी से यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब का नजारा बदल गया है। सफेद बर्फ से ढके पहाड़ और बारिश के बीच धामों में बढ़ी ठंड की तस्वीरें सामने आई हैं।

यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में शनिवार सुबह से झमाझम बारिश हो रही है। यमुनोत्री धाम के आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई है। टॉप, सप्त रश्मि कुंड, बंदरपूछ और गरुड़ गंगा क्षेत्र में हिमपात की सूचना है। बारिश और बर्फबारी के बाद यमुनोत्री धाम में ठंड बढ़ गई है।



इसके बावजूद श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं। यमुना मंदिर के पुजारी गिरीश उनियाल ने बताया कि मौसम बदलने के बाद धाम में ठंड बढ़ गई है। उधर, हेमकुंड साहिब क्षेत्र में भी बर्फबारी हुई है। यहां आधा फीट से अधिक बर्फजम गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के लिए पुलिस और

एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे हैं। जवान श्रद्धालुओं को सुरक्षित आवाजाही में मदद कर रहे हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर भी नजर रखी जा रही है। मौसम विभाग की ओर से जारी रेड अलर्ट के मद्देनजर उत्तरकाशी जिले में प्रशासन

अलर्ट मोड पर है। जिलाधिकारी के निर्देश पर हीना और डोबाटा होल्डिंग पॉइंट्स पर गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम की यात्रा को अस्थायी रूप से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा सुचारू है।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र और स्मार्ट कंट्रोल रूम को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिले की सभी तहसीलों से बारिश और भूस्खलन से जुड़ी सूचनाएं लगातार ली जा रही हैं और स्थिति की निगरानी की जा रही है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की लाइव सीसीटीवी के माध्यम से भी लगातार निगरानी की जा रही है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर नहीं थम रहे हमले

हिंदू ज्वेलरी कारोबारी की हत्या, नहर में ड्रम के अंदर मिला शव



ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक और चिंताजनक घटना सामने आई है। मयमनसिंह जिले के बेगुनबाड़ी इलाके में एक हिंदू व्यक्ति का शव ड्रम के अंदर तेरता हुआ मिला। स्थानीय मीडिया के मुताबिक शव स्त्रुस गेट के पास बरामद हुआ। मृतक की पहचान 50 साल के निरंजन चंद्र सूत्रधार के तौर पर हुई है, जो मयमनसिंह के अठारबारी बिल्डिंग इलाके में एक ज्वेलरी शॉप चलाते थे। बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली अखबार 'द डेली इन्तेफ़क' की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि निरंजन की हत्या किसने की या इसके पीछे क्या मकसद था; शुक्रवार तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) रूहुल अमीन के हवाले से कहा, "टोकन मिलने के बाद मयमनसिंह हिंदू कोऑर्परेटिव क्रेडिट यूनियन लिमिटेड से संपर्क किया गया। संस्था के लोगों ने टोकन देखकर निरंजन की पहचान करने में मदद की।

निशान थे। पुलिस का मानना है कि शव को ड्रम में डालकर पानी में फेंकने से पहले ही निरंजन की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि ड्रम से मिले शव की पैट की जेब से मयमनसिंह हिंदू कोऑर्परेटिव क्रेडिट यूनियन लिमिटेड का एक टोकन मिला। टोकन के जरिए संस्था से संपर्क करने पर पुलिस मृतक की पहचान निरंजन चंद्र के तौर पर कर पाई। बाद में उनकी पत्नी सुमिता रानी सूत्रधार और बेटे जाय सूत्रधार ने शव की पहचान की। 'द डेली इन्तेफ़क' ने कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) रूहुल अमीन के हवाले से कहा, "टोकन मिलने के बाद मयमनसिंह हिंदू कोऑर्परेटिव क्रेडिट यूनियन लिमिटेड से संपर्क किया गया। संस्था के लोगों ने टोकन देखकर निरंजन की पहचान करने में मदद की।

अवैध कॉलोनियों पर सख्त सुप्रीम कोर्ट मेरठ में सील होंगी 16,726 संपत्तियां

नई दिल्ली/ए। अवैध निर्माण और आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर गंभीर रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को मेरठ में 16,726 संपत्तियों को सील करने और अनधिकृत निर्माणों को गिराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने मेरठ के बाहरी इलाके उल्हेपुर में अवैध आवासीय कॉलोनियों के विकसित होने की प्रकृति को विस्तृत जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग भी गठित किया है। पीठ ने कहा, "इस प्रक्रिया में पहला कदम कब्जाधारियों से परिसर खाली करने के लिए कहना और इन सभी परिसरों यानी 16,726 अवैध निर्माणों को सील करना है। हम इसी का निर्देश देते हैं।" अदालत ने कहा कि संभव है कि इनमें से कुछ निर्माण जर्जर स्थिति में हों और उनके गिरने से लोगों



चार में केवल एक जोन की रिपोर्ट में ही निकले 16 हजार से ज्यादा अवैध निर्माण

पीठ ने उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अध्यक्ष पी गुरु प्रसाद की ओर से दाखिल स्थिति रिपोर्ट देखने के बाद कहा, "हम यह जानकर स्तब्ध और परेशान हैं कि स्थिति रिपोर्ट पढ़ने पर पता चलता है कि उल्हेपुर में सैकड़ों अवैध आवासीय कॉलोनियां विकसित हो गई हैं। पीठ ने कहा कि विभाग ने मेरठ के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण और सर्वेक्षण किया है। रिपोर्ट के अनुसार, शहर को चार जोन में बांटा गया है। इन्हें जोन ए, जोन बी, जोन सी और जोन डी नाम दिया गया है। 21 सितंबर के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जोन ए में निरीक्षण और सर्वेक्षण के लिए लगाई गई 16 टीमों ने 16,726 निर्माणों की पहचान पूरी तरह अवैध या अनधिकृत के तौर पर की है।

की जान जा सकती है। पीठ ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर

ऐसा नहीं चाहती और इसलिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है। सुप्रीम

सुप्रीम कोर्ट का जल्द उचित कार्रवाई करने का निर्देश

इन 16,726 निर्माणों में 12,907 आवासीय, 874 आवासीय और गैर आवासीय दोनों तरह के तथा 2,945 गैर आवासीय निर्माण शामिल हैं। अवैध निर्माण से जुड़े पुराने निर्देशों का पालन नहीं किए जाने पर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने अधिकारियों को जोन ए के सभी 16,726 अवैध निर्माणों के खिलाफ जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने चारों जोन में भी तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पीठ ने यह भी कहा कि अगर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से किसी घटना में निर्दोष लोगों की जान जाती है तो इसके लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

मेटा पर शिकंजा, 4.3 करोड़ उल्लंघनों के ठहराया दोषी



नई दिल्ली/ए। सोशल मीडिया कंपनी मेटा के लिए अमेरिका से एक बड़ा कानूनी अपडेट सामने आया है। न्यू मैक्सिको के सांता फे में एक जुरी ने कंपनी को राज्य के उपभोक्ता संरक्षण कानून के उल्लंघन का जिम्मेदार पाया है। यह मामला फेसबुक यूजर्स के डेटा के इस्तेमाल, प्राइवसी से जुड़े दावों और प्लेटफॉर्म पर हेट स्पीच व गलत सूचना से जुड़ी नीतियों को लेकर था। दो हफ्ते चली सुनवाई के बाद आए फैसले में जुरी ने पाया कि मेटा की ओर से दिए कई बयान यूजर्स को गुमराह करने वाले थे। अब फर्स्ट ज्यूडिशियल डिस्ट्रिक्ट जज प्रॉक्सिम मैथ्यू यह तय करेंगे कि कंपनी पर कितनी सिविल पेनल्टी लगाई जाएगी।

हफ्ते पूरे मामले की शुरुआत कैम्ब्रिज एनालिटिका से जुड़े डेटा विवाद के बाद हुई। 2018 में सामने आई रिपोर्ट्स के अनुसार, राजनीतिक कंसल्टिंग फर्म कैम्ब्रिज

29 बयानों में से 26 को जुरी ने माना गुमराह करने वाला

सुनवाई के दौरान मेटा के कई सार्वजनिक बयानों की जांच की गई। जुरी ने राज्य की ओर से चिन्हित 29 बयानों में से 26 को गुमराह करने वाला माना। इन बयानों का संबंध यूजर डेटा, हेट स्पीच और गलत सूचना से जुड़ी कंपनी की नीतियों से था। हालांकि, जुरी ने उन दावों को स्वीकार नहीं किया जिनमें कहा गया था कि मेटा ने हानिकारक कंटेंट हटाने के अपने प्रयासों और फैक्ट-चेकिंग प्रैक्टिस के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह किया था। यानी राज्य के सभी आरोपों को जुरी ने सही नहीं माना।

एनालिटिका ने एक थर्ड-पार्टी एप के जरिए करीब 8.7 करोड़ फेसबुक यूजर्स का निजी डेटा हासिल किया था। यह फर्म डोनाल्ड ट्रंप के 2016 के राष्ट्रपति अभियान से भी जुड़ी थी। न्यू मैक्सिको के अर्दोनी जनरल ने इस मामले को लेकर 2021 में मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था।

दुनिया में बढ़ रहा कैंसर का बोझ, भारत में भी रोकथाम बड़ी चुनौती



ACTREC विशेषज्ञ बोलें—शुरुआती पहचान से बेहतर हो सकते हैं उपचार के नतीजे, तंबाकू नियंत्रण पर जोर

मुंबई। कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच बीमारी की देर से पहचान सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। कैंसर से होने वाली मौतों को कम करने के लिए रोकथाम, समय पर जांच, शुरुआती निदान और जन-जागरूकता को मजबूत करना जरूरी है। यह बात टाटा मेमोरियल सेंटर के एडवांसड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर के विशेषज्ञों ने छत्तीसगढ़ से आए पत्रकारों के साथ संवाद के

दौरान कही। ACTREC के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कैंसर नियंत्रण केवल अस्पतालों और उपचार तक सीमित नहीं रह सकता। इसकी रोकथाम की शुरुआत समुदाय स्तर से करनी होगी। उन्होंने तंबाकू से होने वाले नुकसान, स्वस्थ जीवनशैली, टीकाकरण, उपयुक्त स्क्रीनिंग और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैंसर का बोझ लगातार बढ़ रहा है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया में करीब 2 करोड़ नए कैंसर मामले और 97 लाख कैंसर से मौतें दर्ज

हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मौजूदा रुझान जारी रहने पर वर्ष 2050 तक दुनिया में हर साल कैंसर के नए मामलों की संख्या 3.5 करोड़ से अधिक हो सकती है। भारत में भी कैंसर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। IARC के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में करीब 14.1 लाख नए कैंसर मामले और 9.17 लाख मौतें हुईं। देश में महिलाओं और पुरुषों में कैंसर के अलग-अलग प्रकार प्रमुख हैं, जिनमें स्तन कैंसर, होंठ एवं मुख गुहा का कैंसर तथा सर्वांगकल कैंसर प्रमुख रूप से सामने आते हैं। ACTREC के उप निदेशक डॉ. नवीन खत्री ने कहा कि कैंसर की देर से पहचान इसके नियंत्रण की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। कई प्रकार के कैंसर का शुरुआती चरण में पता चलने पर उपचार अधिक प्रभावी होता है। इसलिए लोगों में जागरूकता और उपयुक्त मामलों में नियमित स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण है।

गले में मां की फोटो लगाकर ईडी के सामने पेश हुए पूर्व सीएम रावत

नई दिल्ली/ए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत शनिवार को वर्ष 2016 के ग्राम पंचायत विकास अधिकारी भर्ती घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के देहाती/देहरादून स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। दफ्तर में प्रवेश करते समय हरीश रावत अपने गले में अपनी दिवंगत माता जी की तस्वीर पहने हुए नजर आए। पूछताछ से ठीक पहले उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि उन्हें दो दिन पहले ही श्वशुर का समन मिला था, जिसके बाद वे केन्द्रीय जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित हुए हैं। यह पूरा मामला उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 2016 में आयोजित की गई ग्राम पंचायत विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा में हुई कथित धांधली और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। उस दौरान राज्य में हरीश रावत के नेतृत्व वाली कांग्रेस



सरकार थी। इसी मामले की जांच की कड़ी में 10 सितंबर को श्वशुर ने देहरादून में कई स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान हरीश रावत के वर्तमान निजी सहायक चंदन सिंह जीना के आवास पर भी तलाशी ली गई थी। गौरतलब है कि जीना, हरीश रावत के मुख्यमंत्री कार्यालय के दौरान उनके विशेष कार्याधिकारी के रूप में तैनात थे। श्वशुर की इस कार्रवाई के दो दिन बाद यानी 12 सितंबर को, अपने पीए के घर से भारी मात्रा में नकदी और आपभूषण बरामद होने के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए हरीश रावत ने कांग्रेस पार्टी के सभी सांगठनिक पदों से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

डिजिटल फ्रॉड के बीच एयरटेल ने 98.4 बिलियन स्पैम कॉल्स को ब्लॉक किया

नई दिल्ली/ए। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है, लेकिन इसके साथ ही साइबर धोखाधड़ी का दायरा और जटिलता भी लगातार बढ़ रही है। जो खतरा कभी मुख्य रूप से स्पैम कॉल्स और फिशिंग मैसेज तक सीमित था, वह अब धोखाधड़ी के एक इकोसिस्टम में बदल चुका है। इसमें दूसरे की पहचान चुराकर ठगी करने वाले स्कैम, फर्जी बैंकिंग अनुरोध, दुर्भावनापूर्ण लिंक, निवेश से जुड़े फ्राड और ओटीपी के जरिए होने वाली वित्तीय ठगी शामिल हैं। सरकार और उद्योग के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि यह खतरा अब व्यापक होने के साथ-साथ तेजी से संगठित भी है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, पिछले छह वर्षों में भारतीयों को साइबर धोखाधड़ी के कारण 752,976 करोड़ से



अधिक का नुकसान हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि देश में कुल अपराध के स्तर में गिरावट आने के बावजूद साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जैसे-जैसे बैंकिंग, पेमेंट्स, हेल्थकेयर, कॉमर्स और सरकारी सेवाओं में डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में और गहराई से बढ़ रहा है, वैसे-वैसे टेलीकॉम नेटवर्कों से डिजिटल सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही है। उपयोगकर्ता अब नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर से केवल

कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की ही नहीं, बल्कि डिजिटल संचार से जुड़े जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने की भी अपेक्षा रखते हैं। दो वर्ष पहले, एयरटेल ने इस बदलाव को समझा और ग्राहक सुरक्षा के क्षेत्र में एआई-आप्रोच अपनाया। सितंबर 2024 में, एयरटेल ने भारत का पहला नेटवर्क-आधारित, एआई-संचालित स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन लॉन्च किया, जो नेटवर्क इंटेलिजेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक साथ लाकर ग्राहकों को स्पैम कॉल और एसएमएस से सुरक्षित रखता है। तब से, एयरटेल ने पिछले 2 वर्षों में अपने एआई-संचालित स्पैम नेटवर्क इनिशिएटिव का विस्तार किया है, जो नेटवर्क स्तर पर धोखाधड़ी की रोकथाम की दिशा में कंपनी के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

एफडीए छग ने राज्य में 'सर्व सेफ फूड' प्रोजेक्ट का किया विस्तार

नई दिल्ली/ए। नेस्ले इंडिया ने राज्य में 'सर्व सेफफूड' प्रोजेक्ट को बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ और नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया के साथ मिलकर काम किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत, राज्य के नरेंद्रगढ़, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, धमतरी, महासमुद्र, बस्तर, कांकेर और रायपुर में 2600 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को ट्रेनिंग देगा, जिससे ट्रेड स्ट्रीट फूड वेंडर्स की कुल संख्या 6,300 से ज्यादा हो जाएगी। ट्रेनिंग का आखिरी चरण इस हफ्ते की शुरुआत में रायपुर की मेयर श्रीमती मोनल चौबे और सहायक अधिकारियों की मौजूदगी में रायपुर में आयोजित किया गया था। 'सर्व सेफ फूड' प्रोजेक्ट से पहले ही 27 जिलों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में 1,20,000 से ज्यादा स्ट्रीट फूड वेंडर्स को सफाई, साफसफाई, वेंडर्स को सेहत, साफसफाई,

सुरक्षित फूड हैंडलिंग, कचरा निपटान और एंटरप्रेन्योरशिप के बारे में जानकारी दी जाती है। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम वेंडर्स को उनके फूड हैंडलिंग के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए जरूरी जानकारी देता है। छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के जिलों में इस प्रोग्राम का विस्तार राज्य और वहाँ के स्ट्रीट फूड वेंडर्स के प्रति नेस्ले इंडिया की प्रतिबद्धता को दिखाता है। नेस्ले इंडिया में कॉर्पोरेट अफेयर्स, सरस्टेनेबिलिटी और सामाजिक पहलों के प्रमुख कुंवर हिमंत सिंह ने कहा, नेस्ले इंडिया में, हम सिर्फ अपने प्रोडक्ट्स से आगे बढ़कर पूरे देश में फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। 'सर्व सेफ फूड' प्रोजेक्ट के जरिए, हम स्ट्रीट फूड वेंडर्स को साफसफाई और फूड सेफ्टी की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देकर सशक्त बनाते हैं, जिससे उनकी रिकल्प और जागरूकता दोनों बढ़ती है।

टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला: ममता की रैली में जाते समय अंडे फेंके

शीशा तोड़ा; 4 महीने में तीसरी बार हमला हुआ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला हुआ। घोष श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान उत्तरपाड़ा में भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और अंडे फेंके।

विधायक के ऑफिस की तरफ से एक्स पर घटना का वीडियो पोस्ट किया गया है। वीडियो में कुणाल घोष ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। पीछे की सीट पर भी कुछ लोग बैठे थे, जो वीडियो बना रहे थे। हमले में कार का पीछे का शीशा भी टूट गया।



टीएमसी नेताओं ने घटना के पीछे बीजेपी के शामिल होने का आरोप लगाया है। पिछले 4 महीने के दौरान घोष पर हमले का यह तीसरा मामला है। इससे पहले 13 सितंबर को उनके घर और उत्तरपाड़ा से बीजेपी विधायक दीपांजन चक्रवर्ती ने कहा कि यह लोगों का गुस्सा था।

जंगलराज है

घटना पर कुणाल घोष ने कहा- यह जंगलराज है। मेरी कार पर पत्थर और अंडे फेंके गए और रास्ता रोक दिया गया। वहाँ कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि वह कोलकाता लौट रहे हैं और सीधे लालबाजार या भवानी भवन जाकर शिकायत दर्ज कराएंगे।

टीएमसी ने बीजेपी पर हमले का आरोप लगाया है। पार्टी नेता असित मजुमदार ने कहा- यह आम लोगों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि बीजेपी का पहले से सुनियोजित हमला था। वहीं, उत्तरपाड़ा से बीजेपी विधायक दीपांजन चक्रवर्ती ने कहा कि यह लोगों का गुस्सा था।

कुणाल घोष बोले- यह

